दैनिक जागरण
19-03-2026

सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति को समयबद्ध आंकड़े जरूरी

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा है कि सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सटीक, विश्वसनीय एवं समयबद्ध आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। वे बुधवार को सतत विकास लक्ष्यों की मानिटरिंग फ्रेमवर्क, पर्यावरणीय लेखांकन एवं जेंडर सांख्यिकी पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला शासन में डाटा के महत्व को अधिक मजबूत करने तथा नीति निर्माण को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव। • आर्काइव

है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण डाटा प्रभावी नीतियों की आधारशिला है। बिहार अब सिर्फ बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि यह पूर्वी भारत के प्रमुख टेक हब के रूप में विकसित हो

कार्यशाला में बोले मंत्री

- गुणवत्तापूर्ण डाटा प्रभावी नीतियों की आधारशिला : मुख्य सचिव
- जिला स्तर पर निगरानी तंत्र हो रहा विकसित : डा. विजयलक्ष्मी

रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डा. सौरभ गर्ग ने कहा कि सतत विकास इंडिकेटर्स की प्रभावी मानिटरिंग के लिए मजबूत सांख्यिकीय प्रणाली, डेटा गुणवत्ता में सुधार तथा राज्यों के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डा. एन विजयलक्ष्मी ने कहा कि बिहार में एसडीजी लोकलाइजेशन को प्राथमिकता देते हुए जिला स्तर तक निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। गैप्स की पहचान, जेंडर-संवेदनशील आंकड़ों का विकास तथा पर्यावरणीय लेखांकन को नीति निर्माण में शामिल करना हमारी प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। केंद्रीय सांख्यिकी के महानिदेशक एन के संतोषी, यूएनडीपी भारत की रेजिडेंट प्रतिनिधि डा. एंजेला लुसिगी एवं एमओएसपीआइ के अपर महानिदेशक एस सी मलिक ने भी कार्यशाला को संबोधित किया।